Deptt of Political science
B.B. College, Jaynagar—
B.A-Part-II (H) — Paper-IV

DR. A.K. Yadav
Asstt Prof — Lpy.L.L
Date
Page
Date- 05-08-20

August lecture- No-02

Paper-Name- Comparative Government and Politics—

राजनीतिक आधुनिकीकरण उपागम — का अर्थ — परिभाषा —
(Political modernisation Approach)

तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययनों में आधुनिकीकरण का उपागम राजनीतिक व्यवहार को समझने के प्रयत्न और सन्दर्भ को और अधिक व्यापक बनाने के प्रयास स्वरूप स्थापित हुआ उपागम है। इसलिए विचारक डेविड एप्टर ने ऐसी अवधारणा के प्रयोग पर बल दिया जो स्थैतिकता के दुर्गुण से मुक्त हो तथा समाज के हर पहलू में होने वाले — परिवर्तन की समग्रता से सम्बन्धित हो। राजनीतिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की समग्र प्रक्रिया के सन्दर्भ में समझने के लिए राजनीतिक आधुनिकीकरण उपागम की आवश्यकता अनिवार्य हो गयी है।

क्लाड वेल्च के शब्दों में —
"आधुनिकीकरण एक प्रक्रिया है जो साधनों के विवेकपूर्ण प्रयोग पर आधारित है और आधुनिक समाज की स्थापना के उद्देश्य से युक्त होती है।"

रार्बट ई० वर्ड के अनुसार —
"आधुनिकीकरण आधुनिक समाज की ओर ले जाने वाली ऐसी प्रवृत्ति है जिसकी प्रमुख विशेषता उनके वातावरण की भौतिक और सामाजिक परिस्थितियों को नियंत्रित या प्रभावित करने की अभूतपूर्व समर्थता है और जो मूल्य व्यवस्था की दृष्टि से उस क्षमता या समर्थता की वांछनीयता व परिणामों के बारे में आधारभूत रूप में आशावादी है।"

विचारक कोलमैन ने कहा है कि —
"नगरीकरण, व्यापक साक्षरता, अधिक प्रति व्यक्ति आय, विस्तृत भौगोलिक तथा सामाजिक गतिशीलता, अर्थव्यवस्था में औद्योगिकरण तथा वाणिज्यीकरण की मात्रा में वृद्धि, जनसंचार साधनों का विस्तार आधुनिकीकरण के हेतु है।"

P.T.O →

Scanned with CamScanner

B.A. Part – II, Paper – IV

Lecture – No – 02

उपरोक्त सभी विचारक आधुनिकीकरण को समाज में परिवर्तन की की सम्पूर्णता से सम्बन्धित मानते हैं। किन्तु हर परिवर्तन को आधुनिकीकरण नहीं कहा जा सकता क्योंकि कुछ परिवर्तन समाजों को पीछे ले जाने वाले भी हो सकते हैं। अतः आधुनिकीकरण परिवर्तन की ऐसी प्रक्रिया है जो प्रगतिशीलता की ओर उन्मुख रहती है।

राजनीतिक आधुनिकीकरण के लक्षण / विशेषताएँ —

(1) राजनीतिक आधुनिकीकरण का एक महत्वपूर्ण लक्षण यह है कि मानव जीवन की गतिविधियों से सम्बन्धित सभी प्रकार की शक्तियों का राज्य या राजनीतिक व्यवस्था में केन्द्रीकरण होने लगता है। अर्थात राजनीतिक शक्ति का महत्व बढ़ना राजनीतिक आधुनिकीकरण की निशानी है।

(2) राजनीतिक आधुनिकीकरण के लिए सरकार जनता बुद्धिपरक होनी चाहिए। जनता और सरकार की हर स्तर पर सम्पर्कता का अर्थ राज्य का समाज में अधिकाधिक प्रवेश होता है। यह तभी सम्भव होता है जब सरकारें सकारात्मक कार्यों के निष्पादन में आगे बढ़ें।

(3) आधुनिक राजनीतिक समाजों में धार्मिक, परम्परागत, पारिवारिक और जातीय सत्ताओं का स्थान एक लौकिकीकृत और राष्ट्रीय राजनीतिक सत्ता के द्वारा ले लिया जाता है। सत्ता के परम्परागत स्रोतों के निर्बल होने और उनके स्थान पर राष्ट्रीय राजनीतिक सत्ता की स्थापना, राजनीतिक आधुनिकीकरण की सबसे अधिक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(4) आधुनिक राजनीतिक व्यवस्थाओं में राजनीतिक संस्थाओं का विभिन्नीकरण और विशेषीकरण होना अनिवार्य है।

(5) राजनीतिक आधुनिकीकरण के लिए संस्थात्मक और प्रक्रियात्मक परिवर्तन ही पर्याप्त नहीं है। संस्थाओं और प्रक्रियाओं में जनभागीदारी कितनी है। यह भी राजनीतिक आधुनिकीकरण का एक मापदण्ड है।

(6) राजनीतिक आधुनिकीकरण वाली राजनीतिक व्यवस्थाओं में व्यक्तियों की अभिवृत्तियों में परिवर्तन आना भी महत्व रखता है।

(7) राजनीतिक आधुनिकीकरण में दल, हित समूह, दबाव समूह, नौकरशाही एवं निर्वाचनों के माध्यम से यह सम्पर्कता बढ़ती है तथा संचार के साधनों द्वारा इसमें निरन्तरता बनी रहती है।

Date – 05-08-20

By – DR. A.K. Yadav
(Asstt Prof G.P.E.T)
Deptt of Pol. Sc.

Scanned with CamScanner